GEOGRAPHICAL DISCOVERIES(PART-2)

FOR:U.G.PART-1,PAPER-2
BY:ARUN KUMAR RAI
ASST.PROFESSOR
MAHARAJA COLLEGE
ARA.

नीदरलैंड एंव डच की भूमिका

- नीदरलैंड के नाविकों –**विलेम जैन्सजून** तथा **एबेल टस्मन** ने 17 वीं शताब्दी में ऑस्ट्रेलिया ,न्यूजीलैंड तथा पैसिफिक आईलैंड की खोज की थी।
- डच ईस्ट इंडिया कंपनी की ओर से ब्रिटिश नाविक **हडसन** ने वर्तमान काल के न्यूयार्क की खोज की थी। डचों का सबसे बहुमूल्य अधिकार क्षेत्र मलक्का, स्पाइस आइलैंड, भारत के कुछ बंदरगाह और अफ्रीका के कुछ तट थे जो उन्हें पुर्तगाल से प्राप्त हुआ।

फ्रांस ,इटली और रूस की भूमिका

- फ्रांसीसी नाविकों –**वोराजानों** तथा **जे कार्तियर** ने उत्तरी अमेरिका के पूर्वी तट पर सेंट लॉरेंस नदी की खोज की थी।
- इटालियन नागरिक **जॉन कैबाट** ने इंग्लैंड के शासक हेनरी सप्तम की ओर से 1499 में न्यूफाउंडलैंड की खोज की थी
- 16वीं शताब्दी में रूसी खोजकर्ता ने साइबेरिया की खोज की थी

अन्य खोजें

- स्पेनिश नाविक **कोर्टेश** ने 1519 ईसवी में **मेक्सिको** की खोज की। 1531ई. में पिजारो नामक नाविक ने पेरू को खोज निकालने में सफलता प्राप्त की।
- अफ्रीका महाद्वीप की खोज का श्रेय **मार्टिन स्टेनली** तथा **डेविड लिविंगस्टन** को है । इन्होंने अफ्रीका के संबंध में अनेक लेख लिखे जिन को पढ़कर यूरोपीय वासियों के मन में अफ्रीका में अपने उपनिवेश बसाने की प्रतिस्पर्धात्मक भावना उत्पन्न हुई ।

पृथ्वी की प्रथम परिक्रमा

- पृथ्वी की प्रथम परिक्रमा महारानी एलिजाबेथ के शासन में महारानी के प्रोत्साहन के फलस्वरूप अंग्रेज नाविक **फ्रांसिस ड्रेक** ने जहाज द्वारा संपूर्ण विश्व की परिक्रमा करने में सफलता पाई। विश्व का पहला नाविक था जो विश्व का चक्कर लगाकर जीवित लौटा था। महारानी एलिजाबेथ ने इस महान उपलब्धि के लिए उसे **नाइट** की उपाधि से अलंकृत किया

भौगोलिक खोजों के परिणाम

1. भौगोलिक खोजो ने पूर्व पर पश्चिम की श्रेष्ठता स्थापित कर दी।
2. व्यापारी गतिविधियों के साथ यूरोपीय देशों में नए खोजे हुए क्षेत्रों में ईसाई धर्म प्रचार को भी अपना लक्ष्य बनाया। जेसुइट मिशन के फ्रांसिस जेवियर ने मलक्का मलाकू द्वीप ,अम्बोनिया,टीमाटे, जापान, चीन और विशेषकर भारत के गोवा में ईसाई धर्म का व्यापक प्रचार किया ।

भौगोलिक खोजो के परिणाम

3. भौगोलिक खोजें के बाद यूरोपीय व्यापार समस्त विश्व में फैल गया। इससे यूरोप में सामंतवाद के पतन की प्रक्रिया तेज हो गई और पश्चिमी यूरोप में पूंजीवाद उभर कर आने लगा ।सोने- चांदी का अतुलित भंडार आ जाने से यूरोप में आवश्यक वस्तुओं के दामों में अत्यधिक वृद्धि हो गई। व्यापार में भूमध्य सागर के स्थान पर अटलांटिक महासागर की महत्ता बढ़ जाने से इटली और जर्मनी जैसे देश आर्थिक दृष्टि से पिछड़ने लगा और नीदरलैंड तथा

भौगोलिक खोजों के परिणाम

इंग्लैंड जैसे देश आगे बढ़ने लगे। अब भूमध्य सागर व बाल्टिक सागर के बंदरगाहों से अधिक महत्व लिस्बन,लंदन व एम्सटर्डम के बंदरगाहों का हो गया।

4. भौगोलिक खोजो ने ज्ञान की अन्य विधाओं जैसे वनस्पति शास्त्र, जंतु शास्त्र,मानव जाति विज्ञान आदि में नई खोजों के अवसर उपलब्ध कराएं । यूरोपीय ने आलू मक्का, टमाटर और तंबाकू की खेती करना शुरू कर दिया।

भौगोलिक खोजों के परिणाम

- राष्ट्रीय संसाधनों में वृद्धि के कारण कला के विभिन्न विधाओं को शासक वर्ग तथा धनाढ्य वर्ग द्वारा प्रोत्साहन दिया जाने का और वैज्ञानिक आविष्कारों के लिए समुचित धन भी उपलब्ध कराया जाने लगा जिसका की परिणाम कला व विज्ञान के क्षेत्र में बहुत प्रगति के रूप में दिखाई दिया।

भौगोलिक खोजों के परिणाम

- 5. भौगोलिक खोज ने यूरोपीय देशों के मध्य प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया जिसकी परिणति अनेक बार भीषण युद्ध में हुई।
- 6. भौगोलिक खोजों के फल स्वरुप व्यापारिक गतिविधियों में अप्रत्याशित वृद्धि ने पूंजीवाद व राष्ट्रीय वाणिज्यवाद को बढ़ावा दिया और अनेक व्यापारिक बैंकों की स्थापना हुई । वाणिज्य व्यवस्था के उत्थान के कारण सभी यूरोपीय शक्तियों ने निर्यात को

भौगोलिक खोजों के परिणाम

- बढ़ावा देने और आयात को घटाने के प्रयास किए।
- भौगोलिक खोजो नें उपनिवेशवाद तथा साम्राज्यवाद के उदय को संभव बनाया ।
- भौगोलिक खोजों का सबसे अंधकारमय परिणाम हब्शी दास का व्यापार था ।यूरोपीय व्यापारी अफ्रीका के पश्चिमी तट पर हब्शी गुलामों को पकड़कर जहाजों में लादकर अमेरिका लाते थे और वहाँ नीलामी द्वारा उनकी बिक्री होती थी। इन गुलामों को खेती के कामों में लगाया गया। इससे गुलामों का व्यापार बड़ा लाभप्रद सिद्ध हुआ।

भौगोलिक खोजों के परिणाम

- इन ऐतिहासिक यात्राओं और खोजों के कारण मनुष्य का ज्ञान बढ़ा और उसका मानसिक क्षितिज विस्तृत हुआ ।समुद्री यात्राओं के दौरान आई हुई दिक्कतों और समस्याओं के कारण मनुष्य की विचारधारा उसके सोचने का तरीका एकदम बिल्कुल बदल गया।

निष्कर्ष

- ऐतिहासिक भौगोलिक खोजों के कारण दुनिया का यूरोपीयकरण हुआ और इन्हीं के कारण पूंजीवाद, वाणिज्यवाद और साम्राज्यवाद का उदय हुआ। इन भौगोलिक खोजों ने दुनिया को आधुनिक युग की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया

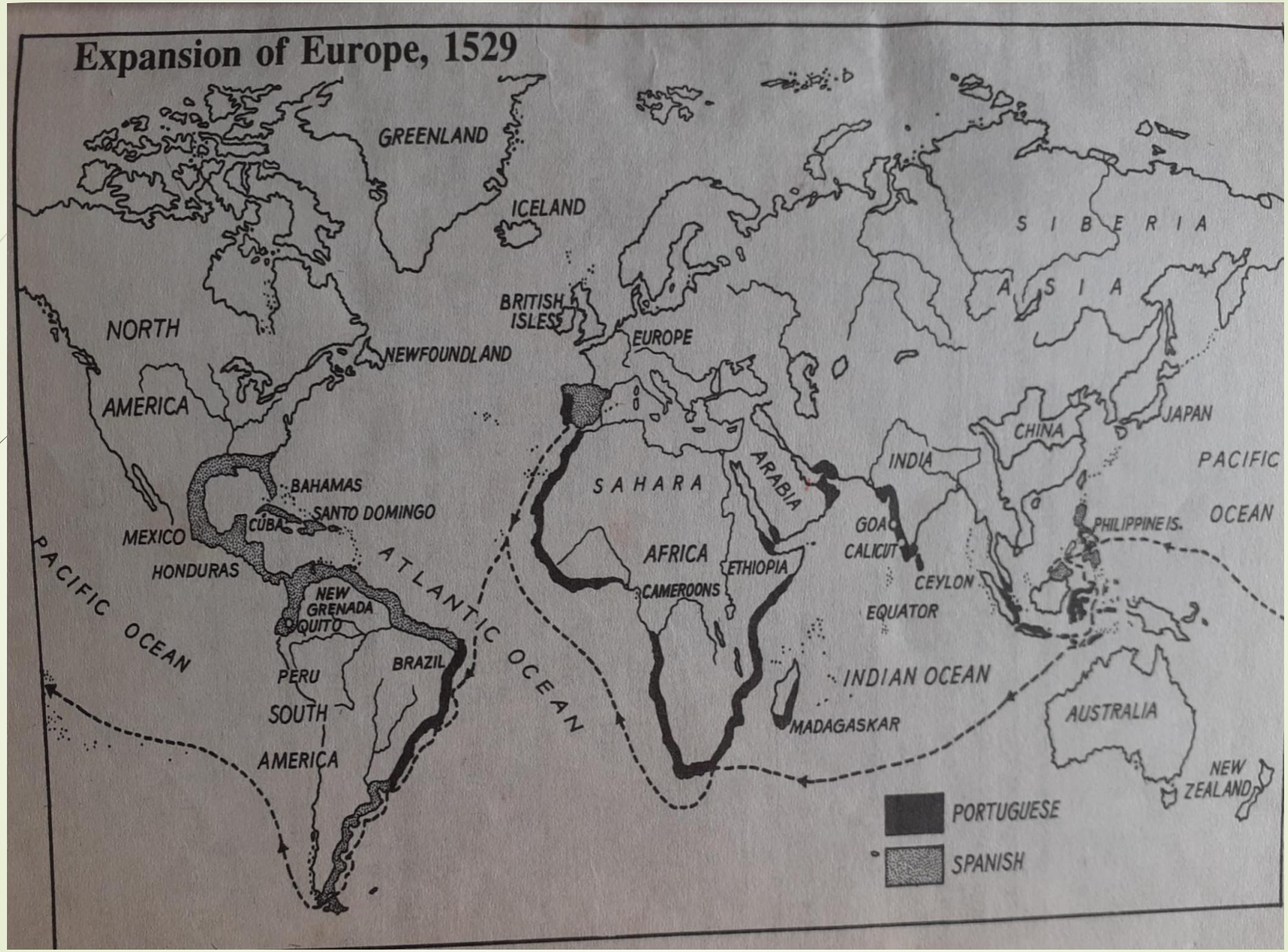
Expansion of Europe, 1529
GREENLAND
ICELAND
BRITISH ISLES
EUROPE
SIBERIA
ASIA
NORTH AMERICA
NEWFOUNDLAND
BAHAMAS
SANTO DOMINGO
CUBA
MEXICO
HONDURAS
NEW GRENADA
QUITO
PERU
BRAZIL
SOUTH AMERICA
PACIFIC OCEAN
ATLANTIC OCEAN
SAHARA
ARABIA
AFRICA
ETHIOPIA
CAMEROONS
INDIA
GOA
CALICUT
CEYLON
EQUATOR
INDIAN OCEAN
MADAGASKAR
CHINA
JAPAN
PACIFIC OCEAN
PHILIPPINE IS.
AUSTRALIA
NEW ZEALAND
PORTUGUESE
SPANISH